



न्यूज़ ब्रीफ

टेस्ट क्रिकेट सबसे अधिक समय कप्तानी का रिकार्ड है स्मिथ सहित इन खिलाड़ियों के नाम



जोहासबर्ग। टेस्ट क्रिकेट में सबसे लंबे समय तक कप्तानी करने के साथ ही रिकार्ड प्रदर्शन की उपलब्धि भी कई खिलाड़ियों के नाम है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ इस मामले में पहले नंबर पर हैं। स्मिथ ने साल 2003 से 2014 के बीच रिकार्ड 109 टेस्ट मैचों में टीम की कप्तानी की। स्मिथ ने एक युवा और बिखरी हुई टीम को विश्व की सबसे मजबूत टेस्ट टीमों में से एक में तब्दील कर दिया। उनके नेतृत्व में टीम ने कई ऊंचाइयां हासिल कीं, हालांकि इस दौरान उन्हें 29 टेस्ट मैचों में हार का भी सामना करना पड़ा। उनका यह अद्वितीय रिकार्ड पिछले 12 सालों से कोई भी तोड़ नहीं पाया है। स्मिथ के बाद सबसे अधिक समय तक कप्तानी करने वाले बल्लेबाजों में न्यूजीलैंड के स्टीफन फ्लेमिंग दूसरे स्थान पर हैं। फ्लेमिंग ने 1997 से 2006 के बीच 80 टेस्ट मैचों में कीवी टीम की कमान संभाली, जिसमें उनकी टीम को 27 में हार मिली। अपनी कप्तानी में न्यूजीलैंड को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाले फ्लेमिंग ने कप्तान के रूप में 117 रनों की एक शतकीय पारी सहित कुल 1589 रन बनाए। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट ने 2017 से 2022 तक 64 टेस्ट मैचों में टीम की कप्तानी की, जिससे वह तीसरे सबसे लंबे समय तक कप्तान रहे। यह वह दौर था जब इंग्लैंड की टीम बदलाव के दौर से गुजर रही थी और रूट ने अकेले दम पर बल्लेबाजी का भार संभाला। उनके कप्तानी कार्यकाल में इंग्लैंड को 27 टेस्ट मैचों में हार का सामना करना पड़ा। कप्तान के रूप में रूट का व्यक्तिगत प्रदर्शन शानदार रहा; उन्होंने 1793 रन बनाए, जिसमें नाबाद 180 रनों का एक यादगार शतक शामिल था।

एशियन खेल 2026: नीरज ने धीरज बोम्मदेवरा को हराकर पुरुष रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा में जीता कांस्य

आइवी-नागोया। भारतीय तीरंदाज नीरज चौहान ने एशियाई खेलों की पुरुष रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा में



कांस्य पदक जीत लिया है। कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में नीरज ने हमवतन धीरज बोम्मदेवरा को 6-4 से हराया। इसके साथ ही नीरज व्यक्तिगत रिकर्व में पदक जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय पुरुष तीरंदाज बन गए। दोनों भारतीय तीरंदाजों के बीच मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। पहले सेट में धीरज ने 7, 9 और 10 अंक हासिल किए, जबकि नीरज ने 10, 8 और 9 अंक जुटाए। नीरज ने यह सेट 29-26 से जीतकर 2-0 की बढ़त बनाई। दूसरे सेट में धीरज ने शानदार वापसी की। उन्होंने 8, 10 और 10 अंक हासिल किए, जबकि नीरज 10, 8 और 9 अंक ही जुटा सके। धीरज ने यह सेट 28-27 से जीतकर मुकाबला 2-2 से बराबर कर दिया। तीसरे सेट में दोनों तीरंदाजों ने शुरुआत में 10-10 अंक और फिर 9-9 अंक हासिल किए। धीरज ने अंतिम तीर पर 10 अंक लगाए, जबकि नीरज 9 अंक ही हासिल कर सके। धीरज ने 29-28 से सेट जीतकर 4-2 की बढ़त बना ली। इसके बाद नीरज ने जोरदार वापसी की। चौथे सेट में उन्होंने लगातार तीन 10 अंक हासिल किए और कुल 30 अंक बनाए। धीरज ने 9, 9 और 10 अंक के साथ 28 अंक जुटाए। नीरज ने यह सेट 30-28 से जीतकर मुकाबला 4-4 से बराबर कर दिया।

रोनाल्डो बोले, प्रशिक्षण शिविर छोड़ने के कारणों का खुलासा समय आने पर करेंगे कोपेनेहेगन। पुर्तगाल फुटबाल में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इसी कारण टीम के कप्तान और स्टार फुटबालर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कोच जार्ज जेीसस के साथ मतभेदों के कारण टीम का प्रशिक्षण शिविर छोड़ दिया। सबसे अधिक हैरानी की बात ये रही कि रोनाल्डो ने ये कदम डेनमार्क के खिलाफ नेशंस लीग मुकाबले से ठीक पहले उठाया जिससे भी कई सवाल उठ रहे हैं। इससे कोच जार्ज के साथ उनके मतभेदों की बात भी खुलकर सामने आ गयी है। वहीं इस स्टार खिलाड़ी के प्रशंसकों का कहना है कि वह शिविर छोड़ने की असली वजह सही समय आने पर बताएंगे। रोनाल्डो ने सोशल मीडिया पर जारी एक संदेश में कहा कि उन्होंने शिविर छोड़ने से पहले पुर्तगाल फुटबाल फेडरेशन के अध्यक्ष पेड्रो प्रोएन्सा से बातचीत की थी। यह विवाद तब पहली बार सामने आया जब रोनाल्डो अंतिम अभ्यास सत्र में भी शामिल नहीं हुए। इसके बाद वह पुर्तगाल फुटबाल महासंघ की गाड़ी में बैठ गये। जब टीम अपने होटल पहुंची, तो रोनाल्डो ओर कोच दोनों ही टीम के साथ मौजूद नहीं थे, जिससे इस पूरे मामले को लेकर रहस्य और बढ़ गया। वहीं कोच ने रोनाल्डो के अभ्यास में शामिल नहीं होने की बातों को नकार दिया। उन्होंने कहा था कि रोनाल्डो के ट्रेनिंग से दूर रहने की कोई खास वजह नहीं थी और मैच से कुछ दिनों बाद खिलाड़ी का अलग अभ्यास करना सामान्य बात है।

नईदुनिया

ईसीबी ने त्रिकोणीय सीरीज के लिए घोषित की टीम, क्रेन की आठ साल बाद वापसी

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने 18 अक्टूबर से पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ होने वाली त्रिकोणीय एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इंग्लैंड टीम की कप्तानी हैरी ब्रूक करेंगे। इस सीरीज में टीम को दो प्रमुख खिलाड़ियों, विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के बिना ही उतरना होगा। इसका कारण है कि बटलर चोट के कारण बाहर हैं, जबकि आर्चर को लगातार व्यस्त कार्यक्रम के बाद आराम दिया गया है।

टीम में अनुभवी लेग स्पिनर आदिल राशिद

और आलराउंडर सैम करन को शामिल किया गया है। इसके अलावा वहीं ग्लेमार्गन के लेग स्पिन गेंदबाज मेसन क्रैन की भी क़रीब आठ साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी हुई है।

टीम प्रबंधन ने बटलर को श्रीलंका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच के दौरान लगी जांच की मांसपेशियों में खिंचाव की चोट के चलते बाहर रखा है। वहीं आर्चर को उनके कार्यभार को देखते हुए आराम दिया गया है, जिससे वह भविष्य के महत्वपूर्ण मुकाबलों के लिए पूरी तरह फिट रहे। हालांकि टीम के लिए राहत की बात है कि अनुभवी लेग स्पिनर आदिल राशिद अपनी

आलराउंडर सैम करन को शामिल किया गया है। इसके अलावा वहीं ग्लेमार्गन के लेग स्पिन गेंदबाज मेसन क्रैन की भी क़रीब आठ साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी हुई है।

टीम प्रबंधन ने बटलर को श्रीलंका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच के दौरान लगी जांच की मांसपेशियों में खिंचाव की चोट के चलते बाहर रखा है। वहीं आर्चर को उनके कार्यभार को देखते हुए आराम दिया गया है, जिससे वह भविष्य के महत्वपूर्ण मुकाबलों के लिए पूरी तरह फिट रहे।

हालांकि टीम के लिए राहत की बात है कि अनुभवी लेग स्पिनर आदिल राशिद अपनी

हाथ की चोट से पूरी तरह उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। इस चोट के कारण वह श्रीलंका के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाए थे। इसी तरह, आलराउंडर सैम करन भी जांच के पास की चोट से ठीक होकर टीम में लौटे हैं, जिससे इंग्लैंड के पास बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में एक और मजबूत विकल्प उपलब्ध होगा।

इस टीम में सबसे हैरान की बात मेसन क्रैन को शामिल करना है। लेग स्पिनर क्रैन क़रीब आठ साल बाद अंतरराष्ट्रीय टीम में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने आखिरी बार 2016 में इंग्लैंड के लिए दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच

खेले थे और 2018 में सिडनी एंशेज टेस्ट टीम का भी हिस्सा रहे थे, हालांकि उन्होंने अभी तक एकदिवसीय क्रिकेट में पदार्पण नहीं किया है। उनकी वापसी टीम में एक नया आयाम जोड़ेगी। इसके अलावा युवा जेम्स कोल्स और हेनरी क्रोकाम्ब को भी टीम में बरकरार रखा गया है। इन दोने ने अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू नहीं किया है। इंग्लैंड पुरुष टीम के राष्ट्रीय चयनकर्ता मार्कस नार्थ ने टीम चयन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि पाकिस्तान की अलग परिस्थितियां खिलाड़ियों को खुद को रखने का बेहतरीन अवसर देंगी।

2027 एकदिवसीय विश्वकप में ये हो सकती है भारत की 15 सदस्यीय टीम



दुर्दै। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में भारतीय टीम को छह बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के अलावा, चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के अलावा सह-मेजबान जिम्बाब्वे का सामना करना होगा। सुपर-7 स्टेज तक पहुंचने की कठिन राह को देखते हुए भारत की 15 सदस्यीय टीम में युवाओं के साथ ही अनुभवी खिलाड़ियों को भी जगह मिल सकती है।

इसके तहत ही शीर्ष क्रम की बात करें तो उसमें रोहित शर्मा, विराट कोहली और शुभमन गिल की जगह लगभग पक्की है। इनपर टीम को मजबूत शुरुआत देने की जिम्मेदारी रहेगी। वहीं शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी बैकअप विकल्प के तौर पर यशस्वी जायसवाल को दल में शामिल किया जा सकता है। जायसवाल को भविष्य के सलामी बल्लेबाज के तौर पर देखा जा रहा है, और आगामी सभी एकदिवसीय सीरीज में उनकी लगातार उपस्थिति 2027 विश्व कप के लिए उनकी दावेदारी को मजबूत करेगी। वहीं मध्य क्रम में श्रेयस अय्यर का नंबर-4 का स्थान मजबूत दिख रहा है। इस बल्लेबाजी क्रम पर अय्यर के पास काफी अनुभव है,

और उन्होंने चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 2000 से अधिक रन बनाए हैं। वहीं, विकेटकीपर के तौर पर पहली पसंद केएल राहुल रहेंगे। वह पांचवें क्रम पर बल्लेबाज करेंगे। मिडिल ऑर्डर की और मजबूत करने और एक बैकअप विकेटकीपर के विकल्प के रूप में ऋषभ पंत का चयन भी हो सकता है। ये तभी होगा जब वह अपनी चोट से वापसी के बाद लय हासिल कर लेते हैं। आलराउंडरों के तौर पर युवा नितिश कुमार रेड्डी और हार्दिक पांड्या दोनों को विश्व कप स्क्वाड में जगह मिल सकती है। स्पिन गेंदबाजी आलराउंडर के रूप में रवींद्र जडेजा अपनी अहम भूमिका निभाते हुए दिखेंगे, जबकि वाशिंगटन सुंदर को बैकअप स्पिन आलराउंडर के रूप में अफ्रीका ले जाया जा सकता है, जो पिचों की कृति के अनुसार उपयोगी साबित हो सकते हैं। वहीं तेज गेंदबाजी विभाग में, जसप्रीत बुमराह भारत के तेज आक्रमण की अगुवाई कर रहे होंगे। उनके साथ मोहम्मद सिराज और युवा हर्षित राणा को स्क्वाड में जगह मिल सकती है। हर्षित राणा पिछले कुछ महीनों से चोटिल चल रहे हैं, लेकिन दक्षिण अफ्रीका की पिचों पर उनकी लंबाई, खतरनाक गति और उछाल प्रभावी सिद्ध हो सकता है।

कुमकुम मोहोद ने रचा इतिहास, एशियाई खेलों में रिकर्व व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं

ओकाजाकी। भारत की 17 वर्षीय तीरंदाज कुमकुम अनिल मोहोद ने एशियाई खेलों में इतिहास रच दिया। कुमकुम ने महिला रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा के स्वर्ण पदक मुकाबले में दक्षिण कोरिया की ओ येजिन को शूट-आफ में 6-5 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसके साथ ही वह एशियाई खेलों में रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा का स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं। उनकी इस जीत से भारत को लास एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए एक व्यक्तिगत कोटा स्थान भी मिला। दोनों तीरंदाजों के बीच मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और पांच सेट के बाद स्कोर 5-5 से बराबर था। स्वर्ण पदक का फैसला एक तीर के शूट-आफ से हुआ। ओ येजिन ने 8 अंक का निशाना लगाया, जबकि कुमकुम ने दबाव के बीच शानदार 10 अंक हासिल कर ऐतिहासिक स्वर्ण अपने नाम कर लिया। दोनों फाइनलिस्ट ने अपने-अपने देशों के लिए लास एंजिल्स 2028 ओलंपिक का एक-एक व्यक्तिगत कोटा स्थान भी हासिल किया।

फाइनल में कुमकुम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओ येजिन ने पहला सेट 29-27 से जीतकर 2-0 की बढ़त बना ली। दूसरा सेट 29-29 से बराबर रहने के बाद दक्षिण कोरियाई तीरंदाज 3-1 से आगे थीं।



इसके बाद कुमकुम ने शानदार वापसी की। तीसरे सेट में उन्होंने लगातार तीन 10 के साथ 30 अंक का परफेक्ट स्कोर बनाया, जबकि ओ येजिन 29 अंक ही हासिल कर सकीं। कुमकुम ने सेट जीतकर स्कोर 3-3 कर दिया।

चौथे सेट में ओ येजिन ने 28-27 से जीत दर्ज करते हुए 5-3 की बढ़त बना ली और खिताब से सिर्फ एक सेट दूर पहुंच गईं। हालांकि कुमकुम ने दबाव में शानदार धैर्य दिखाया। निष्णायक पांचवें सेट में उन्होंने तीनों तीरों पर 10-10 अंक हासिल कर 30 का परफेक्ट स्कोर बनाया। ओ येजिन 28 अंक ही जुटा सकीं और मुकाबला 5-5 की बराबरी पर पहुंच गया।

इसके बाद शूट-आफ में कुमकुम ने 10 अंक का निशाना लगाकर स्वर्ण पदक पर कब्जा कर लिया।

कुमकुम ने इस एशियाई खेलों में अपने पदार्पण पर ही शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने महिला टीम रिकर्व स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जो एशियाई खेलों में इस स्पर्धा में भारत का पहला स्वर्ण था। इसके बाद मिश्रित टीम रिकर्व में उन्होंने रजत पदक जीता, जो इस स्पर्धा में भारत का पहला पदक था। अब महिला व्यक्तिगत रिकर्व में स्वर्ण जीतकर उन्होंने तीसरी बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

एलएनसीटी में प्रथम सीनियर नेशनल शूटबॉल चैंपियनशिप का समापन



नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, कोलार रोड में शूटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित प्रथम सीनियर नेशनल शूटबॉल चैंपियनशिप 2026-27 का समापन रोमांचक मुकाबलों के साथ हुआ। महिला वर्ग में राजस्थान ने दिल्ली की हराकर खिताब अपने नाम किया, जबकि पुरुष वर्ग में दिल्ली ने मध्य प्रदेश को 10-7 से पराजित कर राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीती। मिश्रित युगल फाइनल में मध्य प्रदेश ने राजस्थान को 9-4 से हराकर स्वर्णिम सफलता हासिल की। महिला सेमीफाइनल में दिल्ली ने एलएनसीटी यूनिवर्सिटी को 3-2 तथा राजस्थान ने उत्तर प्रदेश को 8-3 से हराया।

पुरुष सेमीफाइनल में पश्चिम बंगाल ने मध्य भारत को 7-5 और दिल्ली ने एलएनसीटी यूनिवर्सिटी को 7-4 से पराजित किया। समापन अवसर पर एलएनसीटी समूह के कार्यकारी निदेशक डॉ. धर्मेन्द्र गुप्ता ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों की टीमों ने खेल भावना और अनुशासन का प्रदर्शन किया।

प्रणवी उर्स ने रचा इतिहास, भारत ने महिला गोल्फ में जीता पहला एशियाई खेल स्वर्ण

आइवी-नागोया। भारत की प्रणवी उर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई खेलों में महिला गोल्फ का पहला स्वर्ण पदक दिलाकर इतिहास रच दिया। मैसूर में जन्मी प्रणवी अंतिम दौर से पहले 15 अंडर 195 के स्कोर के साथ शीर्ष पर थीं और उनके पास सिंगापूर की रैनन शुआन यिन टैन पर तीन शाट की बढ़त थी। चीन की रुओनिंग यिन तीसरे स्थान पर थीं।

हालांकि अंतिम दौर की शुरुआत प्रणवी के लिए मुश्किल रही। तीसरे होल पर ट्रिपल बोगी के

कारण उनका बढ़त पर खतरा मंडराने लगा।

इसी दौरान रुओनिंग यिन ने बड़ी हासिल की, जबकि टैन ने शुरुआती तीन होल में दो बोगी की। इससे चीन की खिलाड़ी फिर से स्वर्ण पदक की दौड़ में मजबूत स्थिति में आ गईं।

प्रणवी ने हालांकि शानदार वापसी करते हुए छठे, 10वें और 13वें होल पर बड़ी हासिल की और फिर से बढ़त अपने नाम कर ली। इसके बाद उन्होंने दबाव के बीच अपना संयम बनाए रखा और भारत के लिए ऐतिहासिक स्वर्ण सुनिश्चित किया।

छह साल की उम्र में शुरु किया गोल्फ

15 अप्रैल 2003 को जन्मी प्रणवी ने छह साल की उम्र में गोल्फ खेलना शुरू किया था। उन्होंने मैसूर के जयचामराजा वाडियार गोल्फ क्लब में अपने पिता और भाई को खेलते हुए देखकर इस



खेल में रुचि विकसित की।

प्रणवी ने जूनियर और एमेच्योर स्तर पर कई उपलब्धियां हासिल कीं। उन्होंने 2018 में थाईलैंड में सिंगहा वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप और आल



कर दिया। इसके बाद रत्नायके ने तंजीद हसन तमीम को पवेलियन भेजा, जबकि तुषारा ने सटीक यार्कर पर लिटन दास को भी शून्य पर आउट कर दिया।

चौथे ओवर की समाप्ति तक बांग्लादेश का स्कोर 18 रन पर चार विकेट हो गया। तौहीद हदोय ने छह गेंदों पर 11 रन बनाकर कुछ प्रतिरोध की कोशिश की, लेकिन वह भी रत्नायके का शिकार बन गए।

इसके बाद विजयकांत वियास्कांत और वानुजा सहान ने स्पिन के जरिए बांग्लादेश की

मुश्किलें और बढ़ा दीं। वियास्कांत ने लगातार दो गेंदों पर परेज हुसैन इमोन और मेहदी हसन को आउट किया। वहीं सहान ने रिशाद हुसैन और यासिर अली को पवेलियन भेजा। यासिर अली ने 16 गेंदों पर 21 और रिशाद हुसैन ने पांच गेंदों पर 10 रन बनाकर कुछ उम्मीद जगाई, लेकिन बांग्लादेश की पारी संभल नहीं सकी। नासुम अहमद ने 28 गेंदों पर 26 रन की सर्वाधिक पारी खेली, लेकिन 18वें ओवर में उनके आउट होते ही बांग्लादेश की पारी 17.3 ओवर में 102 रन पर सिमट गई।

प्रणवी का यह प्रदर्शन भारतीय महिला गोल्फ के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है और एशियाई खेलों में महिला गोल्फ में भारत के पहले स्वर्ण पदक के रूप में दर्ज हुआ।